

باب الفصل في قولهم يا أيها الناس

اخترنا له احمد بن

اور پھر وہ ایک جگہ پر پہنچے اور وہاں سے ایک
 اور ایک جگہ پر پہنچے اور وہاں سے ایک
 اور ایک جگہ پر پہنچے اور وہاں سے ایک
 اور ایک جگہ پر پہنچے اور وہاں سے ایک

مجلسدہ اور دہلی میں ۱۰۰ سال کا میلہ
 اور پارلیمنٹ میں حق و مطالبہ کے حوالے
 کو اٹھانے کے لئے اسے قیام و حرکت
 پر پڑے۔ اس کے لڑکھارے صفت کے متغیر
 کے تحت کایا اور پروا دینے کے

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

تیسویں نمبر ۱۹۶۵ء

لاهو

۱۲۸۰

یومہ علمیہ

الحمد لله

جلد ۲۹ : ۱۷ اشعار دست نوشته - ۱۳ از مرزا قاسم خان - شماره ۸۴

پاکستان کے خلاف سازش کریں والے ملزموں کے مقدمہ کی سماعت تین ججوں کی انصافیت کے تحت

[illegible]

پاکستان شام کی حمایت کو گھما کر اپنی دوزخ و پانکھ سے ان کی

لذتوں کے معاش و ملے کا بل

برطانیہ کی اقدام سے گریز نہ کرنا

لغات ۱۰۰ اپنی قوی جارحیت سے اپنی دوزخ و

شیر کوڑھ سے پانکھ کوڑھ سے گریز نہ کرنا

یہ بھی دیکھو کہ ان کے ہاتھوں میں کتنی دولتیں

تھیں کہ ان کے ہاتھوں میں کتنی دولتیں

تھیں کہ ان کے ہاتھوں میں کتنی دولتیں

[illegible]

ہم ایک عظیم انسان آئیڈیالوجی کے مالک ہیں جس کی پیروی میں ہمیں دوسرے ملکوں کی مثال سامنے نہ رکھنے کی ضرورت نہیں۔

[illegible][illegible]

مسجد امام شریعہ علیہ السلام

آپ نے کہا تھا!

۸۵

حضرت امیر المومنین ایدہ اللہ تعالیٰ بنصرہ العزیز کے
 کے ہاتھ پر بیعت کرتے وقت آپ وعدہ کیا تھا کہ جو ہنیک
 کا آپ تائیں گے۔ میں آپ کا ہر طرح فرمانبردار رہوں گا۔
 حضرت خلیفۃ المسیح ثانی ایدہ اللہ بنصرہ العزیز نے گذشتہ
 جلسہ سالانہ پر ارشاد فرمایا تھا کہ اجاب جماعت اپنا روپیہ زیادہ
 سے زیادہ مقدار میں امانت صندوقہ انجمن میں رکھوائیں
 کیا آپ نے حضور کے اس ارشاد کی تعمیل کی؟ اگر نہیں
 تو کیا آپ وعدہ توڑنے والے ہیں؟ اگر ابھی تعمیل
 نہیں کی۔ تو آج ہی جس قدر بھی روپیہ آپ بھجوا
 سکتے ہوں۔ فوراً دفتر محاسب صندوقہ انجمن احمدیہ پاکستان
 ریلوہ کو بھجوا کر لکھ دیں۔ کہ وہ روپیہ آپ کے نام
 بطور امانت رکھ لیں۔ یہ روپیہ جب بھی آپ طلب
 فرمائیں گے۔ فوراً آپ کو ادا کیا جائیگا۔ اگر آپ ریلوہ سے
 باہر ہونگے اور روپیہ طلب فرمائیں گے۔ تو صندوقہ انجمن نے
 خرچ پر وہ روپیہ بذریعہ منی آرڈر یا بیمہ آپ کو بھجوا دیگی
 رانظارت بیت المال

اجباب کی خدمت میں ایک ضروری اطلاع

منزل دومت امانت تحریک جدید میں رقم سمجھتے ہیں۔ اور منی آرڈر دے کر کو بن پر صرف
 امانت نامہ امانت واتی لکھ دیتے ہیں۔ اس لئے یہ غلطی سے دفتر محاسب صندوقہ انجمن کے
 امانت صندوقہ انجمن کو جاتا ہے۔ اور جب میں اپنی خط و کتابت سے غلطی واقع ہو جاتی ہے۔ اس لئے
 جیسا دوست امانت تحریک جدید میں روپیہ بھیجیں تو لفظ "امانت تحریک جدید" کو بن
 پر ضرور لکھ دیا کریں۔ تاکہ کسی قسم کی غلطی نہ ہو۔ نیز جب کسی صاحب کی "امانت تحریک جدید"
 میں کوئی رقم وصول ہوتی ہے۔ تو دفتر تحریک جدید کی طرف سے ذرا رقم کی وصولی کے
 اطلاع سے دی جاتی ہے۔ اگر ایسی اطلاع افسر امانت تحریک جدید کی طرف
 سے وقت پر نہ ملے۔ تو سمجھئے کہ رقم کسی اور دفتر میں جمع ہو گئی ہے۔ مگر رقم سمجھتے
 وقت ایک کارڈ کے ذریعہ افسر امانت تحریک جدید کو بھی اطلاع دی ہی
 جایا کرے۔ تو غلطی کا احتمال کم رہتا ہے۔ رافسر امانت تحریک جدید

الفضل کے خریداران

کی خدمت میں بار بار عرض کیا جا رہا ہے کہ قیمت اخبار بذریعہ
 منی آرڈر بھجوانے میں غلطی ہے
 ۱) وہی منی آرڈر کا خرچ نفع جاتا ہے۔

۲) ڈاکخانہ میں فارم منال ہو جانے سے چار آنہ فیس ادا کر کے رقم
 کیسے بعض دفعہ برسیوں کو کشش کرنی پڑتی ہے۔

۳) الفضل اس عرصہ میں کئی بار خریدار کو نہیں ملتا۔ روک لیا جاتا ہے
 ۴) جن اجباب نے اس وقت تک اس طرف توجہ نہیں فرمائی۔ ان کو
 سہرا تکیہ کی جاتی ہے۔ کہ رقم ختم ہونے سے کم از کم دس دن قبل
 رقم دفتر الفضل میں بذریعہ منی آرڈر پہنچا دیں۔ ورنہ تا وصول قیمت
 اخبار روک لیا جائے گا۔ (منیجر)

اس زمانہ میں خدا تعالیٰ کا غضب متواتر کیوں ہوتا ہے
 کارخانہ منی آرڈر

قریباً ۱۰۰ روپے منی آرڈر کی پیشکش کی گئی ہے۔ اور ان کے ذریعہ جو ہا مل بلڈنگ کا گھر

